इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचा

श्रीलंका को 26 रनों से हराया

●जोस बटलर ने शानदार शतक ठोका

भाषा । शारजाह

टी-20 विश्व कप के 29वें मुकाबले में इंग्लैंड ने श्रीलंका को 26 रनों से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले खेलते हुए इंग्लैंड ने जोस बटलर की 101 रनों की नाबाद शतकीय पारी के बदौलत 20 ओवरों में 163/4 का स्कोर बनाया। जवाब में श्रीलंका 164 रनों का पीछा करते हुए 19 ओवर में 137 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई। मैच का स्कोर देखने के लिए यहां क्लिक करेंइंग्लैंड की इस वर्ल्ड कप में ये लगातार चौथी जीत रही और इस जीत के साथ ही टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

हालांकि लगातार तीसरी हार के साथ श्रीलंका लगभग सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई हैं। टी.-20 में इंग्लैंड के श्रीलंका के खिलाफ ये लगातार सातवीं जीत रही। कप्तान मोर्गन 43 टी-20 मैच में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा मैच जीतने वाले कप्तान बने। टारगेट का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत खराब रही और

रशीद ने दो विकेट झटके

पारी की तीसरी ही गेंद पर पाथुम निसांका (1) रन बनाकर रन आउट हो गए। श्रीलंका को दूसरा झटका आदिल राशिद ने चरित असलंका (21) को आउट कर पहुंचाया। राशिद ने अपने अगले ही ओवर में कुसल परेरा (7) का विकेट लेकर टीम को तीसरी सफलता दिलाई। अविष्का फर्नांडो (13) का विकेट क्रिस जॉर्डन के खाते में आया। भानुका राजपक्षे ने मैदान पर आने के बाद कुछ अच्छे शॉट्स लगाएए लेकिन वह भी अपनी पारी को आगे नहीं बढ़ा सके और (26) रन बनाकर क्रिस वोक्स की गेंद पर आउट हो गए। छठे विकेट के लिए दासुन शनाका और वानिंदु हसरंगा ने 36 गेंदों पर 53 रन जोड़कर मैच को रोमांचक बना दिया।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड: जैसन रॉय बो डिसिल्वा 9, जोस बटलर नाबाद 101, डेविड मालन बो चामीरा 6, जॉनी बेयरस्टॉ पगबाधा बो डिसिल्वा 00, इयोन मोर्गन बो डिसिल्वा 40, मोईन अली नाबाद।
अतिरिक्त: छह रन
कुल योग: 20 ओवर में चार विकेट पर 163 रन
विकेट पतन: 1-13, 2-34, 3-35, 4-147
गेंदबाजी: चामीरा 4-0-43-1, हसरंगा 4-0-21-3, कुमारा 4-0-44-0 तीक्षणा 4-0-13-0, करूणारत्ने 2-0-17-0 शनाका 2-0-24-0
श्रीलंका: पाथुम निसांका रन आउट 1, कुसल परेरा का मोर्गन बो रशीद 7, चरित असालांका का अली बो रशीद 21, अविष्का फर्नांडो पगबाधा बो जोर्डन 13, भानुका राजपक्षा का रॉय बो वोक्स 26, दासुन शनाका रन आउट 26, वानिंदु हसरंगा डिसिल्वा का बिलिंग्स बो लिविंगस्टोन 34, चमिका करूणारत्ने का रॉय बो अली 0, महीष तीक्षणा का जोर्डन बो अली 2, लाहिरू नाबाद 1
अतिरिक्त: दो रन
कुल योग: 19 ओवर में 137 रन
विकेट पतन: 1-1, 2-24, 3-34, 4-57, 5-76, 6-129, 7-130, 8-134, 9-134
गेंदबाजी: मोईन 3-0-15-2, वोक्स 2.3-0-25-1, रशीद 4-0-19-2, जोर्डन 4-0-24-2, लिविंगस्टोन 4-0-34-1, मिल्स 1.3-0-19-0

जैसन राय का विकेट लेने के बाद कप्तान शनाका के साथ जश्न मनाते हसरंगा (बाएं)

सेमीफाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा पाक

भाषा । अबुधाबी

लगातार तीन मैच जीतकर उत्साह से भरी पाकिस्तान की टीम मंगलवार को यहां नामीबिया के खिलाफ अपना जबर्दस्त प्रदर्शन जारी रखकर टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेगी। पाकिस्तान की विश्व कप की तैयारियां अच्छी नहीं रही थी। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने पाकस्तान का दौरा रद्द कर दिया था, जिससे उनकी टीम को अभ्यास का मौका नहीं मिला था लेकिन बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम ने तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

भारत के खिलाफ ऐतिहासिक जीत के बाद पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान को हराया। इन दोनों टीमों के खिलाफ उसकी कुछ कमजोरियां सामने आई लेकिन इससे उसका जीत का क्रम नहीं टूटा। अगर पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज बाबर और मोहम्मद रिजवान नहीं चलते हैं तो उनका मध्यक्रम जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार रहता है और यदि उनसे भी काम नहीं चलता तो लंबे शॉट जड़ने में माहिर आसिफ अली मैच जिताने के लिए तैयार रहते हैं। टीम को हालांकि अनुभवी मोहम्मद हफीज से अच्छे स्कोर की दरकार होगी। वह शीर्ष छह में एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने अब तक उपयोगी योगदान नहीं दिया है।

गेंदबाजी में पाकिस्तान की टीम इतनी मजबूत नजर आती है कि लगता नहीं कि नामीबिया के बल्लेबाज उसका सामना कर पाएंगे। उसके गेंदबाजों ने अफगानिस्तान को वापसी का मौका दिया था लेकिन नामीबिया के खिलाफ वह ऐसी कोई गलती नहीं करना चाहेंगे। पिछले मैच में अफगानिस्तान से हार झेलने वाला नामीबिया के लिए यह बड़ा मैच होगा और वह एक चोटी की टीम को अपनी तरफ से कड़ी चुनौती देने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ नामीबिया के छह विकेट तेज गेंदबाजों ने लिए थे और पाकिस्तान का तेज गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है। यह निश्चित तौर पर नामीबिया के लिए चिंता का विषय होगा। नामीबिया सुपर 12 में जगह बनाकर पहले ही दिल जीत चुका है।

नई दिल्ली। विराट कोहली और उनकी टीम मौजूदा टी-20 विश्व कप में लगातार दूसरी हार के बाद ग्रुप चरण से ही बाहर होने की कगार पर पहुंच गई है जिसके बाद क्रिकेट जगत ने टीम की रणनीति की आलोचना की है।

नई दिल्ली। कपिल देव का मानना है कि विराट कोहली का यह स्वीकार करना कि न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के दौरान उनकी टीम ने पर्याप्त साहस नहीं दिखाया।

शतरंजटू टूर्नामेंट: हरिका ने पोगोनिना से ड्रा खेला

रीगा (लातविया) भारत की स्टार खिलाड़ी डी हरिका ने यहां फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर के मुकाबले में नतालिजा पोगोनिना को ड्रा पर रोका। हरिका तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ 3.5 अंक जुटाकर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रही है। भारत की दूसरे नंबर की खिलाड़ी ने दो जीत दर्ज की हैं जबकि तीन बाजी ड्रा रही।

ओपन वर्ग में अनुभवी ग्रैंडमास्टर के शशिकिरन ने रूस के 10वें वरीय व्लादिमीर फेदोसीव को 53 चाल में हराया। शशिकिरन के भी 3.5 अंक हो गए हैं। भारतीय महिला खिलाड़ियों में युवा दिव्या देशमुख जीत दर्ज करने वाली एकमात्र खिलाड़ी रही। दिव्या ने स्थानीय खिलाड़ी मदारा गोलस्ता को 49 चाल में हराया।

दिव्या के दो अंक हो गए हैं। आर वैशाली और वंतिका अग्रवाल ने क्रमश: जॉर्जिया की सेलोम मेलिया और कजाखस्तान की झानासाया अब्दुमलिक से ड्रा खेला।

बुमराह ने हार के लिए जैविक रूप से सुरक्षित माहौल को जिम्मेदार ठहराया

भाषा । दुबई

भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने टी-20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के लिए जैविक रूप से सुरक्षित माहौल की थकान को भी जिम्मेदार ठहराया। भारत को रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा जिससे टीम पर ग्रुप चरण से ही बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

भारत को अभी तीन और ग्रुप मुकाबले खेलने हैं। भारत ने अब तक कोई मैच नहीं जीता है। उसे पहले मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। आईपीएल के दूसरे चरण और टी-20 विश्व कप की शुरुआत के बीच काफी कम अंतर के बारे में

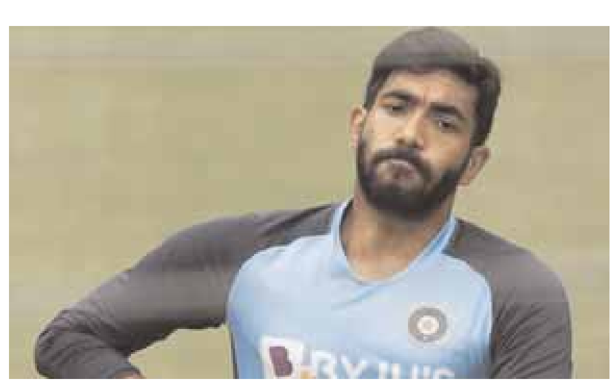

पूछे जाने पर बुमराह ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि बेशक, आपको ब्रेक की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि लेकिन यह मौजूदा समय की वास्तविकता है जिसमें हम जी रहे हैं, यह मुश्किल है, यह महामारी का समय है और हम जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रह रहे हैं। हम सामंजस्य बिठाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन जैविक रूप से सुरक्षित माहौल की थकान और मानसिक थकान का असर पड़ता है। बुमराह ने कहा कि हम बार बार एक ही चीज कर रहे हैं। चीजें इसी तरह हैं और आप यहां काफी चीजों को नियंत्रित नहीं कर सकते।

हाइलो ओपन में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे श्रीकांत और लक्ष्य

भाषा । सारब्रेकन (जर्मनी)

चोटी के शटलर किदाम्बी श्रीकांत और अच्छी फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन मंगलवार से यहां शुरू होने वाले हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन

टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। छठी वरीयता प्राप्त श्रीकांत ने पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में जापान के दो बार के विश्व चैंपियन केंतो मोमोटा को कड़ी चुनौती देकर फॉर्म में लौटने के संकेत दिए थे।

वह इस मैच में हार गए थे लेकिन अब वह उसके सकारात्मक पहलुओं के दम पर आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। उनका पहला मुकाबला जापान के कोकी वातानबे से होगा। दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने डेनमार्क ओपन और फ्रेंच ओपन में क्रमश: दूसरे दौर और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। वह पहले मैच में फ्रांस के थॉमस रैक्सल के खिलाफ अपनी अच्छी लय बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

विश्व में 21वें नंबर के समीर वर्मा ने भी पिछले दो टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उन्हें पिछले टूर्नामेंट से हटना पड़ा था। वह अपने पहले मैच में थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न से भिड़ेंगे लेकिन उनकी फिटनेस पर अब भी सवालिया निशान लगा हुआ है।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों में पूर्व चैंपियन शुभंकर डे का सामना कोरिया के ली डोंग क्यून से, एचएस प्रणय का आयरलैंड के नाट गुयन और सौरभ वर्मा का जर्मनी के मैक्स वीसकिर्चेन से होगा।

निशांत देव और संजीत क्वार्टर फाइनल में

भाषा । बेलग्रेड

भारतीय मुक्केबाज निशांत देव (71 किग्रा) और संजीत (92 किग्रा) ने यहां अंतिम 16 चरण के मुकाबलों में जीत के साथ एआईबीए पुरुष विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई लेकिन देश के तीन अन्य मुक्केबाज सोमवार को हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

निशांत ने मैक्सिको के मार्को अल्वारेज वेर्डे को रविवार देर रात हुए मुकाबले में 3-2 से हराया। वह क्वार्टर फाइनल में रूस के वादिम मुसाएव से भिड़ेंगे। पिछली विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे संजीत ने जॉर्जिया के जियोर्जी चिग्लेड्ज को 4-1 से हराकर लगातार दूसरी बार अंतिम आठ दौर में प्रवेश किया। संजीत क्वार्टर फाइनल में इटली के अजीज आबेस मोहिदिन से भिड़ेंगे। रोहित मोर को कजाखस्तान के सेरिक तेमिरझानोव के खिलाफ 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

New norms to ease fear psychosis at govt banks

Norms will allow room to operate without worrying about a future default

Shayan Ghosh
shayan.g@livemint.com
MUMBAI

On Friday, the finance ministry proposed uniform staff accountability norms, which will apply to all PSBs, and excluded loans below ₹10 lakh from these exercises. MINT

A recent government move standardizing the process of fixing accountability for non-performing assets (NPAs) is expected to ease the fear psychosis at public sector banks (PSBs) that is holding back loan approvals, industry executives said.

Whenever loans turn bad, banks conduct so-called staff accountability exercises to fix accountability for wrongdoing or inaction and also to protect employees for their bonafide actions. At present, banks have varying guidelines for these exercises, which are conducted for all NPAs. On Friday, the finance ministry proposed uniform staff accountability norms, which will apply to all PSBs, and excluded loans below ₹10 lakh from these exercises.

The new guidelines will allow room to operate without constantly worrying about consequences of a future loan default, said a senior banker. Small business loans will be covered as well, as the government has issued new guidelines for loans up to ₹50 crore, he said.

"Small businesses are quite susceptible to external shocks and, therefore, it is a good move to standardize staff accountability norms when such loans turn bad. Some large banks have more employee-friendly policies on accountability, which acknowledge that not all loans go bad because of maleficence," the banker said on condition of anonymity.

On 29 October, the finance ministry said it has finalized guidelines on staff accountability for NPA accounts up to ₹50 crore other than fraud cases in consultation with the Central Vigilance Commission (CVC). The government advised banks to suitably revise staff accountability policies and other relevant policies. The guidelines will apply for accounts turning NPA on or after 1 April 2022.

The new norms have a four-tiered structure that is based on the value of the loan, up to ₹10 lakh, more than ₹10 lakh and up to ₹1 crore, more than ₹1 crore and up to ₹50 crore, and above ₹50 crore. For loans up to ₹10 lakh, staff accountability will not be examined unless it has been tagged fraudulent.

"Examining staff accountability in such low-value accounts involves disproportionate costs and using up of management bandwidth especially at the middle level and affects a large cohort of officers as the number of individual cases has been large," the finance ministry said on 29 October.

"The proposed framework is meant to address NPAs up to ₹50 crore, provided that the chief vigilance officer of banks can revise the threshold for scrutiny of accountability based on the business size of the banks. This measure should definitely improve credit flow to small and medium enterprises, which are the engine of the Indian economy," said Rohit Raghavan, a partner at law firm Saraf & Partners.

In cases of significantly large loans turning NPAs, bankers would operate under a fear of an investigation by the Central Bureau of Investigation, the Comptroller and Auditor General of India, and the CVC, said Raghavan.

Indian Banks' Association lauded the move and said on 31 October that the new guidelines will boost the morale of PSB employees. Several of India's legacy bad loans stem from the lackadaisical due diligence by lenders in the last round of credit boom, led by the infrastructure sector. However, some assets have also faced genuine cashflow issues for extraneous reasons. While the move to standardize accountability norms for loans up to ₹50 crore is expected to revive credit flow, recent incidents such as the arrest of former State Bank of India chairman Pratip Chaudhari allegedly with regard to a decade-old bad loan will certainly not imbue confidence among bankers.

FIXING ACCOUNTABILITY

WHENEVER loans turn bad, banks conduct so-called staff accountability exercises

AT present, banks have varying norms for these exercises, which are conducted for all NPAs

ON Friday, the Centre proposed uniform staff accountability norms, which will apply to all PSBs